SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

ANDHRA BANK

Annual Report

1999 - 2000

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

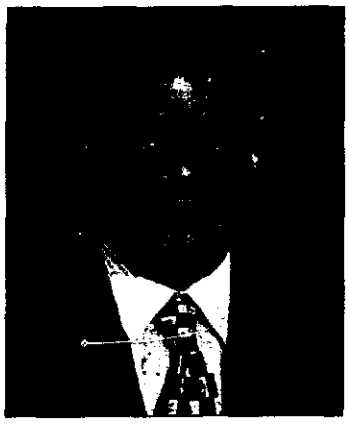

श्री बी. वसंतन
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
Sri B. Vasanthan
Chairman & Managing Director

श्री एम.एम. नम्पूतिरी
वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली
Sri M.M. Nampoothiry
MoF, New Delhi

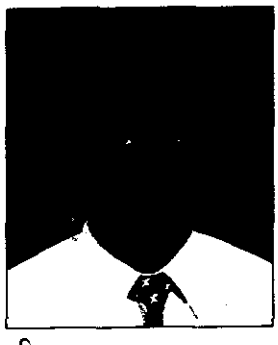

श्री आर. एस. बक्कण्णवर
भारतीय रिजर्व बैंक
Sri R.S. Bakkannavar
Reserve Bank of India

श्री के. हरिबाबु
हैदराबाद
Sri K. Haribabu
Hyderabad

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

31 मार्च 2000 को महा प्रबंधक GENERAL MANAGERS AS ON 31ST MARCH. 2000

श्री वी. आर. वेंकटरामन
Sri V.R. Venkataraman

श्री ए. कृष्ण मूर्ति
Sri A. Krishna Moorthy

श्री एन. विजय कुमार
Sri N. Vijaya Kumar

श्री योगेश्वर कुमार
Sri Yogeshwar Kumar

श्री शंकर प्रसाद घोष
Sri S.P. Ghosh

श्री एस.वी. मल्लेश्वर शास्त्री
मुख्य सतर्कता अधिकारी और महा प्रबंधक
Sri S.V. Malleswara Sastry
Chief Vigilance Officer & GM

31 मार्च 2000 को उप महा प्रबंधक DEPUTY GENERAL MANAGERS AS ON 31ST MARCH, 2000

श्री टी. पार्धसारधि	Sri T. Pardhasarathi
श्री एस. कोटेश्वर राव	Sri S. Koteswara Rao
श्री एस.वी.एस. शर्मा	Sri S.V.S. Sarma
श्री एम. एम. एल. कुमार	Sri M.M.L. Kumar
श्री ए.एल. नागेश्वर राव	Sri A.L. Nageswara Rao
श्री जी. राम कृष्णा रेड्डी	Sri G. Rama Krishna Reddy
श्री संजीव शेट्टी कलकुंजल	Sri Sanjeev Shetty Kalkunjal
श्री टी.वी.एस. हरगोपाल	Sri T.V.S. Haragopal
श्री सुभाष चन्द्र रेड्डी	Sri K. Subash Chander Reddy
श्री जे. पुल्लय्या	Sri J. Pullaiah
श्री ए.वी. सूर्यनारायण राव	Sri A.V. Suryanarayana Rao
श्री के. विश्वनाथ राव	Sri K. Vishwanath Rao
श्री आर. जे. वैद्यनाथन	Sri R.J. Vaidyanathan
श्री एस. सूर्यनारायण	Sri S. Suryanarayana
श्री ए. मुरलीधर	Sri A. Muralidhar

लेखा परीक्षक AUDITORS

कृते एस. मोहन एण्ड कं. सनदी लेखाकार ह/- सुरेन्द्र मोहन भुटानि भागीदार	कृते के.सी. भट्टाचार्जी एण्ड पॉल सनदी लेखाकार ह/-ए.के. घोष भागीदार	कृते वही एण्ड गुप्ता सनदी लेखाकार ह/-के.पी. वही भागीदार	कृते नटराज अय्यर एण्ड कं. सनदी लेखाकार ह/-जी. प्रसाद भागीदार	कृते राममूर्ति(एन) एण्ड कं. सनदी लेखाकार ह/-सुरेन्द्रनाथ भारती भागीदार	कृते सी आर सागदेव एण्ड कं. सनदी लेखाकार ह/-जयंत एम. रानडे भागीदार
for S. Mohan & Co Chartered Accountants **Sd/- (S.M. Bhutani)** **Partner**	**for K.C. Bhattacherjee & Paul** Chartered Accountants **Sd/- (A.K. Ghosh)** Partner	**for Wahi & Gupta** Chartered Accountants **Sd/- (K.P. Wahi)** Partner	**for Nataraja Iyer & Co.** Chartered Accountants **Sd/- (G. Prasad)** Partner	**for Ramamoorthy (N) & Co.** Chartered Accountants **Sd/- (Surendranath Bharathi)** Partner	**for C.R. Sagdeo & Co.** Chartered Accountants **Sd/- (Jayant M. Ranade)** Partner

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

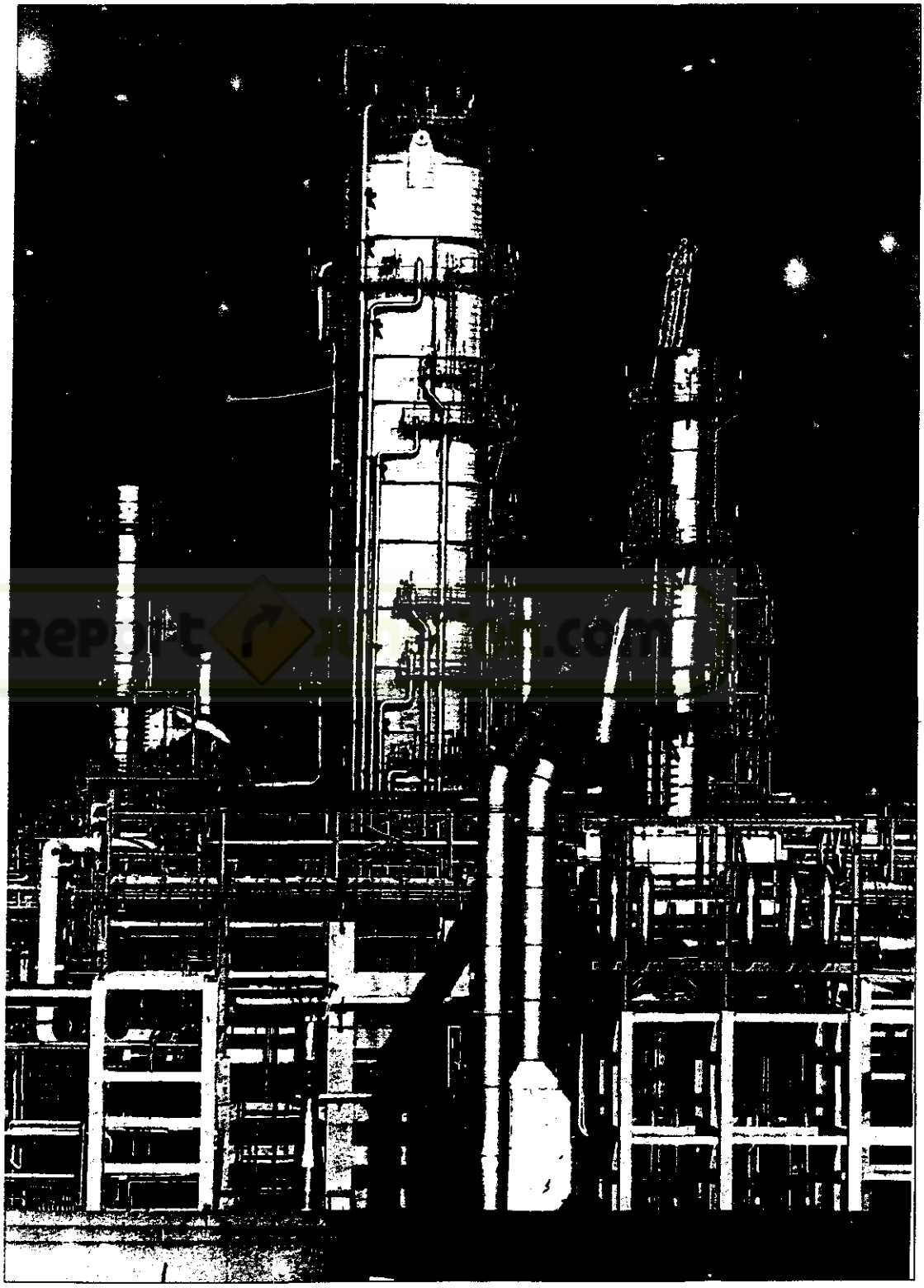

Our Bank is associated with Reliance Petroleum Refinery at Jamnagar, Gujarat, which is the world's largest grossroots Refinery

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल की रिपोर्ट 1999-2000

दिनांक 31 मार्च, 2000 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलन पत्र एवं लाभ व हानि खाता समेत यह 'वार्षिक प्रतिवेदन' प्रस्तुत करने में बैंक के निदेशक मंडल को प्रसन्नता है।

मेक्रो आर्थिक परिदृश्य:

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) के अग्रिम प्राक्कलन के अनुसार भारतीय अर्थ व्यवस्था में वर्ष 1998-99 में 6.8% के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 5.9% की वृद्धि हुई। समग्र आर्थिक वृद्धि में हुई कमी मुख्यत: कृषि तथा संबंध कार्यों में वर्ष 1998-99 के 7.2% से वर्ष 1999-2000 में 0.8% की वृद्धि में अनुमानित घाटे के कारण थी। औद्योगिक क्षेत्र ने वर्ष 1998-99 में 3.7% की निम्नतर वृद्धि के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 6.4% की वृद्धि रिकार्ड की है जबकि सेवा क्षेत्र द्वारा गत वर्ष में 8.0% के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 8.3% की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

सीएसओ द्वारा हाल ही में औद्योगिक उत्पादन के प्राक्कलन गत वर्ष के 3.9% के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 8.3% की समग्र औद्योगिक वृद्धि सूचित की गयी है। वर्ष 1999-2000 में औद्योगिक वृद्धि में उच्चतर दर विनिर्माण क्षेत्र में हुई वसूली को प्रतिबिंबित करता है जो वर्ष 1998-1999 में 4.3% के विरुद्ध 9.3% की वृद्धि रिकार्ड की गयी। वर्ष 1999-2000 के दौरान, उपयोग पर आधारित वर्गीकरण के अनुसार, मध्यवर्ती माल एवं उपभोक्ता माल ने वृद्धि दर में सार्थक वृद्धि दर्ज की है जबकि पूंजी माल खंड ने वृद्धि में अवत्वरण किया है।

बैंकिंग परिदृश्य:

प्रति मद के आधारपर व्यापक धन (एम 3) वृद्धि वर्ष 1998-99 में 19.2% के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 13.6% रही। 1998-99 में उच्चतर एम 3 वृद्धि अगस्त 1998 से प्रभावी व्यापक धन स्टाक में रीसर्जेण्ट इण्डिया बांडों (आर आई बी) के अंतर्गत रु.17945 करोड़ जोड़ को प्रतिबिंबित करती है। आर आई बी को छोडकर एम 3 वृद्धि वर्ष 1998-99 में 17% के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 13.9% हुई। एम 3 की निम्नतर वृद्धि ने वर्ष 1999-2000 के दौरान प्रारक्षण धन में निम्नतर वृद्धि को प्रतिबिंबित करता है जो भारतीय रिजर्व बैंक की देशीय आस्तियों में विपरीत वृद्धि को प्रतिबिंबित किया जिससे सरकार को शुद्ध भारतीय रिजर्व बैंक ऋण में कमी आई।

थोक मूल्य सूची (डब्ल्यु पी आई 1993-94 बेस) पर आधारित प्रति मद स्फीति दर वर्ष 1999-2000 में 6.5% जबकि उसी वर्ष 52 सप्ताह औसतन स्फीति दर निम्नतर 3.3% थी। औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता सूचनांक पर आधारित औसतन स्फीति दर भी वर्ष 1999-2000 में निम्नतर 3.4% थी। मालों की आपूर्ति, औद्योगिक वृद्धि में सुधार एवं निम्नतर एम 3 वृद्धि जैसे घटकोंने वर्ष 1999-2000 में निम्न स्फीती दर में योगदान दिया।

बाह्य क्षेत्र भी वर्ष 1999-2000 में उल्लेखनीय उन्नति का साक्षी है। डालर शर्तों को निर्यात ने वर्ष 1998-99 में 5.1% घाटे के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में 13.2% की वृद्धि दर्ज की। उसी अवधि के दौरान डालर शर्तों के निर्यात में 2.2% के विरुद्ध 11.4% वृद्धि हुई। अप्रतिबंध शर्तों पर निर्यात एवं आयात वर्ष 1998-99 में क्रमश: यूएस$ 33.2 अरब एवं यूएस $ 42.4 अरब के विरुद्ध वर्ष 1999-2000 में क्रमश: यूएस $ 37.6 अरब एवं 47.2 अरब थे। विदेशी मुद्रा विनिमय प्रारक्षण 1998-99 के अंत में यूएस $ 32.5 अरब से 1999-2000 के अंत में 38.0 अरब तक वृद्धि हुआ।

वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने इसकी आर्थिक व उधार नीति में बैंकिंग उद्योग से संबंधित अनेक महत्व पूर्ण उपाय घोषित किये। इन उपायों में नकद प्रारक्षण अनुपात कम करना (10.5% से 9%), संपार्श्विक उधार सुविधा (सी एल एफ) प्रचलित करना, अंतरिम चलनिधि समायोजन सुविधा (आई एल ए एफ), विभिन्न परिपक्वता मूल्योंके लिए विभिन्न मूल्य उधार दर देने के लिए बैंकों को अनुमति देना, अन्य बैंकों द्वारा जारी किया टायर II बांडों में निवेश पर कैप इत्यादि शामिल हैं।

वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंकिंग उद्योग का निष्पादन निम्न प्रकार है।

- मार्च 2000 के अन्त तक सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जमा रु.8,41,967 करोड़ जो गत वर्ष के अन्तिम शुक्रवार से 17.92% की वृद्धि है।
- सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के शुध्द बैंक ऋण मैं 21.89% वृध्दि हुई, जो रु.4,49,565 करोड़ तक हैं, 31-03-2000 को कुल निबल बैंक ऋणों में खाद्य ऋण रु.24,926 करोड़ है, जो गत वर्ष मे 48.23% की ज्यादा है तथा गैर-खाद्य ऋण रू.4,24,639 करोड़ हैं, जो 20.63% ज्यादा है।

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Directors' Report- 1999-2000

The Board of Directors of the Bank have pleasure in presenting this "Annual Report" together with the audited Balance Sheet and Profit & Loss A/c for the year ended 31st March 2000.

Macro Economic Scenario :

As per the Advance Estimates of the Central Statistical Organisation (CSO), the Indian economy grew by 5.9% in 1999-2000 as against 6.8% in 1998-99. The slowdown in overall economic growth was mainly on account of the estimated decline in growth in agriculture and allied activities from 7.2% in 1998-99 to a mere 0.8% in 1999-2000. The industrial sector recorded a growth of 6.4% in 1999-2000 as against a much lower growth of 3.7% in 1998-99 while the growth rate registered by the services sector in 1999-2000 was 8.3% as against 8.0% in the previous year.

The latest estimates of industrial production released by the CSO indicate overall industrial growth at 8.3% in 1999-2000 as against 3.9% in the previous year. The higher rate of industrial growth in 1999-2000 reflects recovery in Manufacturing Sector, which recorded a growth of 9.3% as against 4.3% in 1998-99. As per the use-based classification, intermediate goods and consumer goods registered significant increase in growth rate during 1999-2000 while the capital goods segment experienced a deceleration in growth.

On a point-to-point basis, broad money (M3) growth was 13.6% in 1999-2000 as against 19.2% in 1998-99. The higher M3 growth in 1998-99 reflected the inclusion of Rs. 17945 crore under the Resurgent India Bonds (RIBs) in the broad money stock with effect from August, 1998. Excluding RIBs, M3 growth worked out to 13.9% in 1999-2000 as against 17% in 1998-99. The lower growth in M3 during 1999-2000 reflected the relatively lower growth in reserve money, which in turn, reflected the negative growth in domestic assets of the Reserve Bank of India (RBI) brought about by the decline in net RBI credit to Government.

The point to point inflation rate based on the Wholesale Price Index (WPI with 1993-94 base) was 6.5% in 1999-2000 whereas the 52 week average inflation rate was lower at 3.3% in the same year. The average inflation rate based on the Consumer Price Index Number (CPI) for Industrial Workers also was low at 3.4% in 1999-2000. Factors like improvement in supply of goods, recovery in industrial growth and lower M3 growth contributed to the low inflation rate in 1999-2000.

The External Sector also witnessed remarkable improvement in 1999-2000. Exports in dollar terms registered a growth of 13.2% in 1999-2000 as against a decline of 5.1% in 1998-99. Imports in dollar terms increased by 11.4% as against 2.2% during the same period. In absolute terms, exports and imports were worth US $ 37.6 billion and 47.2 billion respectively in 1999-2000 as against US$ 33.2 billion and 42.4 billion respectively in 1998-99. Foreign exchange reserves increased from US $ 32.5 billion at the end of 1998-99 to 38.0 billion by the end of 1999-2000.

Banking Scenario :

Several important measures concerning Banking Industry were announced by Reserve Bank Of India in its Monetary & Credit Policy during the year. These measures include reduction in Cash Reserve Ratio (from 10.5% to 9%), introduction of Collateralised Lending Facility (CLF), Interim Liquidity Adjustment Facility (ILAF), Permission to Banks to offer different Prime Lending Rates for different maturities, cap on Investments in Tier II Bonds issued by other Banks etc..

The performance of the **Banking Industry during the year 1999-2000** is broadly as under :

- The aggregate deposits of All Scheduled Commercial Banks stood at Rs.8,41,967 crore as at the end of March 2000, an improvement of 17.92% over the last Friday of the previous year.
- The Gross Bank Credit of All Scheduled Commercial Banks increased by 21.89% to touch Rs.4,49,565 crore. Of the total Gross Bank Credit as on 31.03.2000, food credit accounted for Rs.24926 crore, an increase of

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

- वर्ष के दौरान सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋण जमा अनुपात में 51.66% से 53.39% तक वृध्दि हुई।
- वर्ष के दौरान सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश में रु.55991 करोड़ की वृद्धि हुई एवं मार्च 2000 के अंत तक रु.310586 करोड़ पहुंच गया।

हमारे बैंक का निष्पादन पर्यवलोकन

बैंक ने गत पांच वर्षों के दौरान संकटों से निकल कर स्वायत्त स्तिथि तक पहुंचने का एक महत्व पूर्ण निष्पादन दर्ज किया एवं एक अविच्छिन्न एवं संगत वृद्धि जिससे भारत के बैंकों में एक सम्मानास्पद स्थान प्राप्त किया।

वर्ष 1999-2000 बैंक के लिये एक अन्य घटनापूर्ण वर्ष साबित हुआ। द्वितीय वर्ष में बैंक ने उसके व्यवसाय में संगत वृद्धि की। इसने अपने कार्पोरेट बिंबको प्रतिबिंबित करने के लिए एक नया लोगो अपनाया। एवं बहुमुखी तथा प्रतिस्पर्धी बाजार खंडों में रहने के लिए अपेक्षित एक प्रकार की ब्रांड ईक्विटी सृजन की।

बैंक के निष्पादित मुख्य बातें

1. 33% प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए बैंक ने कुल व्यापार रु.20,000 करोड़ पार किया।
2. बैंक के परिचालित लाभ 31-3-1999 को रु.156.52 करोड़ के विरुद्ध सभी समय से अधिक रु.289.48 करोड़ पहुंच गया।
3. बैंक ने अभी तक से अधिक शुद्ध लाभ 31-3-1999 को रु.90.04 करोड़ के विरुद्ध रु.120.59 करोड़ दर्ज किया।
4. बैंक का कुल जमा 31-3-1999 को रु.10438.74 के विरुद्ध 31-3-2000 को रु.14417.95 करोड़ बढ़ गया जो 38.12% वृद्धि दर है।
5. बैंक का सकल बैंक ऋण 31-3-1999 को रु.4816.80 करोड़ के विरुद्ध 31-3-2000 को रु.5875.86 करोड़ बढ़ गया जो 21.99% वृद्धि दर है।
6. बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31-3-1999 को 11.02% के विरुद्ध 13.36% बढ़ गया जो निर्धारित नार्म 9% से ऊपर है।
7. बैंक की शुद्ध गै.नि.आ. शुद्ध अग्रिम के 31-3-1999 को 4.26% से 31-3-2000 को 3.47% तक कम कर दी गयी।
8. बैंक का प्रतिकर्मचारी व्यापार 37.68% बढ़ गया जो रु.111.71 लाख तक पहुंच गया।

वित्त परिणाम लाभ

बैंक ने परिचालित लाभ एवं शुद्ध लाभ गत वर्ष में क्रमशः रु.156.52 करोड़ एवं 90.04 करोड़ के विरुद्ध इस वर्ष क्रमशः 289.48 करोड़ एवं रु.120.59 करोड़ दर्ज किया। इस प्रकार बैंक ने 5 वें वर्ष भी वित्त परिणामों में संगत उन्नति की है। बैंक के कुल अर्जन जो मार्च 1999 को रु.1199.99 करोड़ था, मार्च 2000 के अंत को रु.1673.38 करोड़ है जो 39.45% बढ़ा

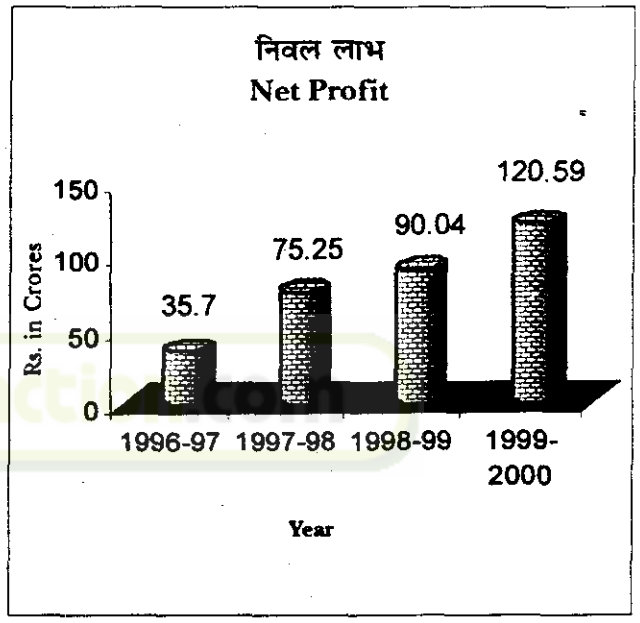

है। उसी अवधि में व्यय रू.1043.48 करोड़ से 1383.90 करोड़ बढ़ गया है जिसमे 32.62% की वृद्धि है।

पूंजी निधि एवं जोखिम आस्तियों में पूंजी अनुपात (सी आर ए आर)

बैंक की प्रदत्त पूंजी 31-3-2000 को रु.347.95 थी एवं प्रारक्षण 31-3-1999 को 143.62 करोड़ से 31-3-2000 को 234.81 करोड़ तक बढ़ गया। गत चार वर्षों में बैंक का सी आर ए आर निर्धारित मानदंड से अधिक रहा। बैंक ने वर्ष 1999-2000 के अंतर्गत अधीनस्थ ऋण बांडों के माध्यम से टीयर II पूंजी रु.150 करोड़ तक बढ़ायी। बैंक की जोखिम आस्थियों अनुपात पूंजी निर्धारित मानदंड 9% के विरुद्ध

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

48.23% over the previous year and non food credit by Rs.424639 crore, an increase of 20.63%.

- The Credit Deposit Ratio of All Scheduled Commercial Banks, also increased from 51.66% to 53.39% during the year.

The investments of All Scheduled Commercial Banks grew by Rs.55991 crore during 1999-2000 and reached Rs.310586 crore as at the end of March 2000.

Our Bank's Performance - Overview:

The Bank has registered a remarkable performance during the past five years from a crucial turnaround to attainment of autonomy status and a sustained and consistent growth which have carved out a respectable place for us among the Banks in India.

The year 1999-2000 proved to be yet another eventful year for the Bank. For the second year in succession, the Bank has achieved consistent growth in its business . It has adopted a new logo to reflect its vibrant corporate image and to create the kind of brand equity required to harness the multifaceted and competitive market segments.

The Performance Highlights of the Bank are :

- The **Total Business** of the Bank crossed **Rs.20,000** crore mark , registering a growth rate of 33%
- The **Operating Profit** of the Bank reached an all time high of Rs.289.48 crore, as against Rs.156.52 crore as on 31.3.1999.
- The Bank posted highest ever **Net Profit** of Rs.120.59 crore as against Rs.90.04 crore as on 31.3.1999.
- The **Total Deposits** of the Bank increased to Rs.14.417.95 crore as on 31.3.2000 as against Rs.10438.74 crore as on 31.3.1999, with a growth rate of 38.12%.
- The **Gross Bank Credit** increased to Rs.5875.86 crore as on 31.3.2000 as against Rs.4816.80 crore as on 31.3.1999, with a growth rate of 21.99% .
- **Capital Adequacy Ratio** of the Bank increased to **13.36%** as against 11.02% as on 31.3.1999, which is well above the prescribed norm of 9%.
- **Net NPAs** of the Bank as percentage to Net Advances have been brought down from 4.26% as on 31.3.1999 to **3.47%** as on 31.3.2000.
- The **Per-employee Average Business** of the Bank increased by **37.68%** to reach **Rs.111.71 lacs.**

Financial Results - Profit:

The Bank posted an operating profit of Rs.289.48 crore and a Net profit of Rs.120.59 crore for the year as against Rs.156.52 crore and Rs.90.04 crore respectively in the previous year. Thus the Bank came out with consistently improved financial results for the 5th consecutive year. The total earnings of the Bank which stood at Rs.1199.99 crore as at the end of March 1999 rose by 39.45% to Rs.1673.38 crore as at the end of March 2000. The total expenditure increased from Rs.1043.48 crore to Rs.1383.90 crore during the same period ,showing an increase of 32.62%.

Capital Funds and Capital to Risk Assets Ratio (CRAR)

The paid up capital of the Bank stood at Rs.347.95 crore as on 31.03.2000 and the Reserves increased from Rs.143.62 crore as on 31.03.1999 to Rs.234.81 crore as on 31.03.2000. The Bank's CRAR has been well above the prescribed norm for the last 4 years. The Bank raised Tier II capital through Subordinated Debt Bonds to the extent of Rs.150 Crore during the year 1999-2000. The Capital to Risk Assets Ratio of the Bank has gone up from 11.02% as at the end of Mar'99 to 13.36% by the end of March, 2000 as against the prescribed norm of 9%.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

मार्च 2000 के अंत को 11.02% से मार्च 2000 के अंत तक को 13.36% तक बढ़ गयी।

शाखा तंत्र

वर्ष 1999-2000 के दौरान बैंक ने एक विशिष्ट लघु उद्योग शाखा समेत 12 शाखाएं खोलीं। 31-3-2000 को संपूर्ण शाखाओं में जन संख्या का ग्रूप वार बंटन निम्न प्रकार है।

जन संख्या ग्रूप	शाखाओं की संख्या	प्रतिशत
ग्रामीण	384	37.72
अर्ध-शहरी	285	28.00
शहरी	225	22.10
महा नगरीय	124	12.18
कुल	1018	100.00

बैंक में 27 आंचलिक कार्यालय, 9 सेवा केंद्र, 13 तिजोरी, 6 क्षेत्रीय निरीक्षणालय एवं और एक अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग।

विशिष्ट शाखाएं

31-3-2000 को विशिष्ट शाखाओं की स्थिति निम्न प्रकार है।

क्रम. संख्या	विशिष्ट शाखाओं की श्रेणी	संख्या
1.	लघु उद्योग (एस एस आई)	12
2.	कृषि वित्त	6
3.	औद्योगिक वित्त	1
4.	आटो-टेक	1
5.	हाई-टेक	1
	कुल	21

बैंक का परिचालन

क) संसाधन-संग्रहण : वर्ष 1999-2000 में बैंक ने जमा संग्रहण पर महत्वपूर्ण वृद्धि रिकार्ड किया है। बैंक कुल जमा गत वर्ष रु.10438.74 करोड़ के विरूद्ध रु.14417.95 करोड़ पहुंच गया है जो 38.12% वृद्धि दर है। यह अंतर बैंक जमा समेत है।

जमा के प्रकार	रु. करोड़ में	प्रतिशत
चालू जमा	1575.06	10.92
बचत बैंक	2760.94	19.15
सावधि जमा	10081.95	69.93
कुल	14417.95	100.00

31.3.2000 को कुल जमा (यानी अंतर बैंक जमा को छोडकर) ग्रूप बार जनसंख्या की बंटन प्रणाली निम्न प्रकार है।

जन संख्या ग्रूप	राशि (रु.करोड़ में)	प्रतिशत
ग्रामीण	1411.89	9.90
अर्ध शहरी	2905.26	20.38
शहरी	3703.93	25.98
महानगरीय	6236.62	43.74
कुल	14257.70	100.00

बैंक का अनिवासी भारतीय (एन आर आई)जमा रु.415.80 करोड़ है जो गतवर्ष से 20.60% अधिक है।

ख) ऋण विस्तार: बैंक का सकल बैंक ऋण रु.4816.80 करोड़ से रु.5875.86 करोड़ तक वृद्धि हुई है जो वर्ष के दौरान 21.99% वृद्धि दर है। कुल ऋण बकाये में ग्रामीण, अर्ध शहरी, शहरी एवं महानगरीय क्षेत्रों का हिस्सा क्रमश: 18.80%, 18.82%, 24.22% एवं 38.16% है।

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Branch Network:

The Bank has opened 12 new branches including one Specialised SSI branch, during the year 1999-2000. The population group-wise distribution of full fledged branches as on 31-03-2000 is as follows:

Population Group	No.of Branches	Percentage
Rural	384	37.72
Semi-Urban	285	28.00
Urban	225	22.10
Metropolitan	124	12.18
Total	**1018**	**100.00**

The Bank has 27 Zonal Offices, 9 Service Centres, 13 Currency Chests, 6 Regional Inspectorates and one International Banking Division.

Specialised branches:

The position of specialised branches as on 31-03-2000 is as under:

Sl.No.	Category of Specialised Branch	Number
1	Small Scale Industries (SSI)	12
2	Agricultural Finance	6
3	Industrial Finance	1
4	Auto-Tech	1
5	Hi-Tech	1
	Total	**21**

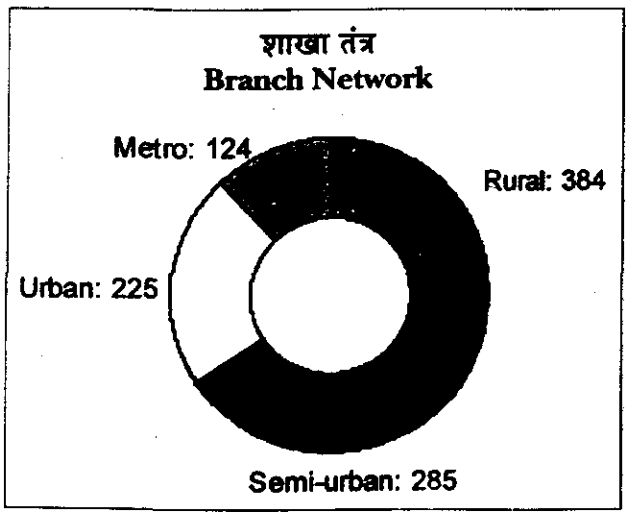

BANK'S OPERATIONS :

A) Resource Mobilisation:

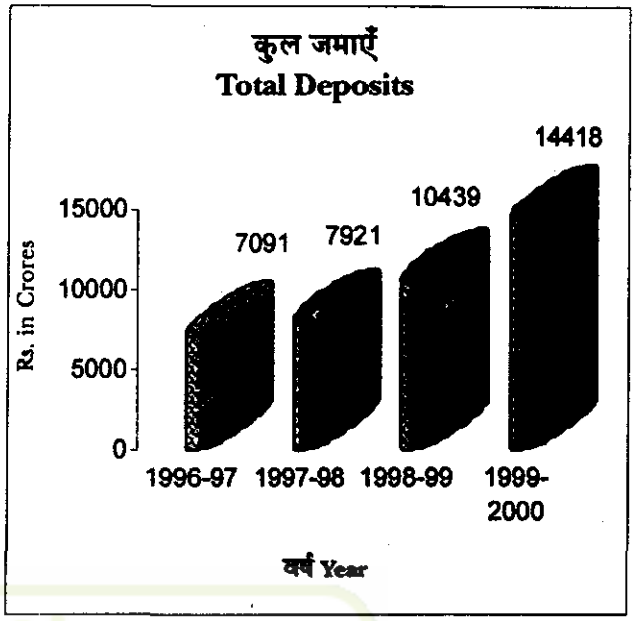

On the deposit mobilisation front, the Bank has recorded significant growth in the year 1999-2000. The Bank achieved a growth rate of 38.12% in Total Deposits by reaching Rs.14,417.95 Crore against Rs.10,438.74 Crore in the previous year.

The composition of **Total Deposits** (inclusive of Inter Bank Deposits) is as under:

Type of deposits	Rs. (in crore)	Percentage
Current Deposits	1575.06	10.92
Savings Bank	2760.94	19.15
Term Deposits	10081.95	69.93
Total	**14417.95**	**100.00**

The distribution pattern of Aggregate Deposits (i.e., exclusive of Inter-Bank Deposits)-Population group-wise, as on 31-03-2000 is as follows:

www.reportjunction.com